Status of implementation of recommendations contained in the Eighty-Second and Eighty-Fourth Reports of the Department-Related Parliamentary Standing Committee on Transport, Tourism and Culture

THE MINISTER OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI T.R. BAALU): Sir, I lay a copy each of the statements.

Status of implementation of recommendations contained in the Eighteenth Report of the Department-Related Parliamentary Standing Committee on Finance

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI M.V. RAJASEKHARAN): Sir, I lay a copy of the statement.

SHORT DURATION DISCUSSION

Import of wheat and agrarian distress *-Contd.*

कृषि मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री शरद पवार): उपसभापति महोदय, देश के सामने आजकल एक बहुत बड़ी समस्या पैदा हुई है, इस समस्या के बारे में राजनीति को दूर रखकर कोई कदम उठाने की आवश्यकता है और किस तरह से हम कदम उठा सकते हैं, इस बारे में अच्छे सुझाव सदस्यों ने यहां दिए हैं, इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूं। आज देश के किसानों के सामने आत्महत्या जैसी परिस्थिति पैदा हो रही है। वैसे कहें तो यह परिस्थिति आज की नहीं है, मगर यह स्थिति इस देश में रहने वाले आप, हम, सभी के लिए एक तरह की चिंता पैदा करने वाली है।

यह बात सच है कि एक जमाने में भारत खाद्यान्न इम्पोर्ट करने वाला देश था, लेकिन पिछले कई सालों में देश की फूड सिक्युरिटी की समस्या हल करने के लिए, इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद, इस देश को कामयाबी मिली, इसका बहुत बड़ा श्रेय इस देश के किसानों को दिया जाना चाहिए और देशवासियों ने उनको श्रेय दिया भी है। इसके साथ-साथ कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिकों ने जो पिछले कई सालों में काम किया - नया रास्ता दिखाया, नए बीज पैदा किए, नई टैक्नोलॉजी पैदा की, इसका भी असर देश के कृषि उत्पादन पर अच्छा हुआ, इसको भी हमें स्वीकार करना पड़ेगा। मगर, पिछले कई सालों से जो एक राष्ट्रीय उत्पादन की आवश्यकता थी, ग्रोथ रेट की आवश्यकता थी, उसकी स्थिति ठीक नहीं थी, मगर इस साल जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, उनसे यह बात साबित हुई कि हमारा ग्रोथ रेट 4 परसैंट होने की आवश्यकता थी और जो टारगेट हम लोगों ने तय किया था, उस टारगेट के आसपास हम लोग इस साल पहुच रहे हैं। एक तरफ इस टारगेट के आसपास हम पहुंच रहे हैं, दूसरी तरफ कई फसलों के बारे मे हमारा उत्पादन भी ठीक है और तीसरी तरफ हम यह परिस्थिति देख रहे हैं कि आत्महत्याओं की स्थिति में लगातार पिछले कई वर्षों से कोई बदलाव नहीं आया है।

गेहूं के आंयात की परिस्थिति भी आज इस देश के सामने और इस सरकार के सामने आई है। आत्महत्या के बारे में इससे पहले इस सदन में दो बार बहुत डिटेल्ड डिस्कशन हुआ था